RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 20 जुलाई 2022 वर्ष 04 अंक 82 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

मुंबई/ तीसरे दिन भी जारी रही बेस्ट ड्राइवरों की हड़ताल...!

मुंबई : मुंबई की दूसरी लाइफ लाइन कही जाने वाली बेस्ट परिवहन में रविवार को ठेका ड्राइवरों की शुरू हुई हड़ताल तीसरे दिन भी जारी रही। बेस्ट प्रशासन ने मिडी बसों को ठेके पर लेकर संचालित करता है। ठेकेदार द्वारा ड्राइवरों को नियमित वेतन और भविष्य निर्वाह निधि जमा नहीं किए जाने के कारण ड्राइवर हड़ताल पर चले गए हैं। 6 महीने के भीतर यह तीसरी हड़ताल है। आए दिन हो रही हड़ताल से यात्री परेशान हो चुके हैं।

ठेका ड्राइवरों का कहना है कि उनका अप्रैल से वेतन बकाया है। उन्हें अभी तक अप्वाईंटमेंट लेटर भी नहीं दिया गया है। पिछले एक साल से एम पी ग्रुप ने उनका पीएफ भी नहीं भरा है। इसलिए हमें मजबूरी में हड़ताल पर जाना पड़ा है। हमारे परिवार का खर्च हमारे वेतन से चलता है। दूसरा कोई आय का जरिया नहीं होने के कारण हम परेशान हैं। लगातार वेतन की मांग के बाद भी ठेकेदार हमें वेतन नहीं देता है।

ठेकेदार पर की जा रही है कार्रवाई : मनोज वराडे

बसों ड्राइवरों की हड़ताल पर बेस्ट प्रशासन का कहना है कि हमने ठेकेदार को सख्त चेतावनी दी है। जल्द से जल्द हड़ताल खत्म करने के लिए कहा है। बेस्ट जनता संपर्क अधिकारी मनोज वराडे का कहना है कि ठेकेदार पर नियमों और शर्तों को भंग करने की कार्रवाई की जा रही है। वडाला डेपो में जहां के ड्राइवर बसों को चलाने से इनकार कर रहे हैं, वहां पर बेस्ट अतिरिक्त बसें चला कर यात्रियों की परेशानी को दूर करने का प्रयास कर रहा है।

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे को ईडी ने किया गिरफ्तार

एनएसई को-लोकेशन केस में मनी लांड्रिंग का आरोप

मुंबई : मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे को प्रवर्तन निदेशालय ने लंबी पूछताछ के बाद मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को लोकेशन घोटाले मामले में गिरफ्तार कर लिया. पूर्व पुलिस कमिश्नर को बुधवार को दिल्ली की विशेष अदालत के सामने पेश किया जाएगा जहां पर ईडी उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ करने की अपील करेगी. इस मामले में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पूर्व सीएमडी चित्रा रामाकृष्णन पहले से ही ईडी की गिरफ्त में है और वह भी समय ईडी हिरासत में चल रही हैं.

संजय पांडे पर क्या है आरोप?

मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे मंगलवार को फिर प्रवर्तन निदेशालय के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए थे. उन पर आरोप है कि उनकी कंपनी आई सिक्योरिटी के पास साल 2010 से साल 2015 तक नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की सिक्योरिटी ऑडिट करने का काम सौंपा गया था. आरोप है कि इसी दौरान नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में को लोकेशन घोटाला हुआ था. जांच एजेंसियों ने इस मामले में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की तत्कालीन सीएमडी चित्रा रामाकष्णन और उनके सहयोगियों को गिरफ्तार किया था. केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा इस मामले में मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी इस मामले में यह भी आरोप है कि संजय पांडे की कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा सुरक्षा ऑडिट करने के बदले करोड़ों रुपये की रकम दी गई थी बाद में इस मामले में यह आरोप भी लगे कि इसकी आड़ में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के कर्मचारियों की फोन टैपिंग की गई. प्रवर्तन निदेशालय ने इस मामले में मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर संजय पांडे को 30 जून को उनकी सेवानिवृत्ति के फौरन बाद पूछताछ के लिए बुलाया था. संजय पांडे ईडी के सामने पेश भी हुए थे और उनसे लंबी पूछताछ भी की गई थी. प्रवर्तन निदेशालय ने इसके बाद इस मामले में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पूर्व सीएमडी चित्रा रामाकष्णन को गिरफ्तार भी कर लिया और ईडी उन्हें पूछताछ के लिए रिमांड पर भी ले आई. चित्रा अभी भी ईडी की रिमांड पर हैं जहां वे 22 जुलाई तक रिमांड पर रहेंगी.

आमने-सामने बैठाकर हो सकती है पूछताछ

ईडी सूत्रों के मुताबिक इस मामले में संजय पांडे ईडी के सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे रहे थे जिसके चलते ईडी ने लंबी पूछताछ के बाद उन्हें देर शाम गिरफ्तार कर लिया. सूत्रों ने बताया कि संजय पांडे को ईडी की विशेष अदालत के सामने पेश किया जाएगा. जहां से उन्हें भी पूछताछ के लिए रिमांड पर लाया जाएगा. सूत्रों का कहना है कि इसके बाद चित्रा रामाकृष्णन और संजय पांडे दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की जा सकती है. मामले की जांच जारी है.

बैंक में चोरी करने वाले शातिर चोर 4 दिन में गिरफ्तार

12 करोड़ 20 लाख रुपए जब्त!

कल्याण : डोंबिवली में आईसीआईसीआई बैंक से 12 करोड़ 20 लाख रुपए की चोरी करने वाले 3 शातिर चोरों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है और उनसे 5 करोड़ 80 लाख की नकदी के अलावा लाखों का सामान बरामद किया हैं। चोरी की वारदात के बाद महज 4 दिन में ही वारदात के आरोपियों को सलाखों के अंदर डाल दिया गया हैं। गिरफ्तार आरोपियों में इसरार अबरार हुसैन कुरैशी (उम्र-33), आरोपी शमशाद अहमद रियाज अहमद खान (उम्र-33), अनुज प्रेमशंकर गिरी (उम्र-30) शामिल हैं।

डोंबिवली के मानपाड़ा इलाके

में आईसीआईसीआई बैंक चोरी की वारदात 9 जुलाई से 11 जुलाई के बीच हुई। बैंक से हुई इस चोरी में चोरों ने 12 करोड़ 20 लाख रुपय की नगदी लूट ली। इस मामले में मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में अज्ञात ओरोपियों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज किया गया था। ठाणे सिटी प्रॉपर्टी क्राइम ब्रांच की टीम स्थानीय पुलिस के साथ मामले की जांच कर रही थी। पुलिस टीम ने तकनीकी विश्लेषण और रिपोर्ट की गुप्त जानकारी के आधार पर इसरार अबरार हुसैन कुरैशी को 18 जुलाई को सुबह करीब साढ़े नौ बजे मित्तल मैदान, पब्लिक रोड मुंब्रा ठाणे के पास से गिरफ्तार किया। उससे पूछताछ के बाद उसके द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर टीम ने चोरी के अपराध के अन्य आरोपी शमशाद अहमद रियाज अहमद खान, अनुज प्रेमशंकर गिरी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से 5 करोड़ 80 लाख नकद बरामद किया गया है। आरोपी के पास से 10 लाख 2 हजार 500 रुपए की सामग्री जब्त की गई है।

उद्धव को बड़ा झटका!

शिंदे के करीबी राहुल शेवाले होंगे लोकसभा में पार्टी के नेता, स्पीकर से मिली मान्यता

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रामदास कदम ने मंगलवार को रांकपा प्रमुख शरद पवार पर गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने शरद पवार पर आरोप लगाते हुए कहा कि वह शिवसेना को तोड़ रहे हैं। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी कहा वे इसका सबूत शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को दे चुके हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने शिवसेना के शिंदे गुट के 12 सांसदों की मांग पर लोकसभा में राहुल शेवाले को शिवसेना नेता के रूप में मान्यता दे दी है। सीएम एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

रामदास कदम ने मंगलवार को दावा किया कि शरद पवार ने शिवसेना को 'व्यवस्थित रूप से कमजोर' किया है। इतना ही नहीं कदम ने यह भी कहा कि कुछ विधायकों ने इस पर चिंता व्यक्त की थी, लेकिन उद्धव ठाकरे शरद पवार से अलग होने को तैयार नहीं थे।

कदम ने मंगलवार को कहा कि 'मैंने उद्धव ठाकरे को पर्याप्त सबूत दिए हैं कि कैसे राकांपा प्रमुख शरद पवार शिवसेना को तोड़ रहे हैं।' कदम ने दावा किया कि पवार ने कुनाबी समुदाय के सदस्यों को अच्छे पद दिए हैं और उन्हें धन से मजबूत भी किया है।

संपादकीय / लेख

सायबर जालसाज

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

केंद्र सरकार के बूस्टर डोज मुफ्त देने के एलान के बाद सायबर जालसाज इसे नया हथियार बना सकते हैं। इससे पहले कोरोना संक्रमण से बचाव के टीके के नाम पर बड़ी संख्या में लोगों को ठगने के मामले सामने आए थे। इसी को ध्यान में रखकर महाराष्ट्र सायबर सेल ने लोगों को आगाह किया है। अधिकारियों को शक है कि बूस्टर डोज के रजिस्ट्रेशन के नाम पर सायबर जालसाज लोगों को अपना शिकार बना सकते हैं। दरअसल, सायबर जालसाज लोगों को फोन करके फ्री में बूस्टर लगाने के लिए रजिस्ट्रेशन करने के बहाने मोबाइल पर आए ओटीपी मांगकर खाते से माल उड़ा लेते हैं। पिछले वर्ष कोरोना वैक्सीन को लेकर सायबर जालसाजों ने बड़ी संख्या में लोगों को तबाह किया था, इसलिए साइबर सेल के अधिकारियों ने लोगों को इस तरह के हथकंडों से सावधान रहने की अपील की है। महाराष्ट्र सायबर सेल के सूत्रों के मुताबिक ठग खुद को स्वास्थ्य विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को फोन करके पूछते हैं कि क्या उन्होंने कोविड से बचाव के लिए दोनों टीके ले लिए हैं। ज्यादातर लोगों ने कोविड के टीके की दोनों खुराखें ले ली हैं इसलिए वे हामी भर देते हैं। इसके बाद लोगों से कहा जाता है कि कोरोना का बूस्टर डोज लगाने के लिए उन्हें रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके लिए मोबाइल पर आनेवाला ओटीपी बताना होगा। साथ ही उनसे कहा जाता है कि उन्हें मोबाइल पर एक एसएमएस मिलेगा, जिसमें उन्हें बूस्टर डोज की तारीख और जगह भरनी होगी। लेकिन लिंक में एनी डेस्क, टीम व्यूअर जैसे ऐप भेज दिए जाते हैं। इसके बाद ओटीपी संबंधित व्यक्ति को देते ही बैंक खाते से पैसे कटने का संदेश आ जाता है और तब संबंधित व्यक्ति को अपनी गलती का एहसास होता है। महाराष्ट्र सायबर के एसपी संजय शिंत्रे के मुताबिक फिलहाल ऐसी कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है, जिसमें बूस्टर डोज के नाम पर किसी से ठगी की गई हो लेकिन पुराने मामलों को देखते हुए लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए। दरअसल, सायबर ठग केवाईसी अपडेट, बिजली का बिल काटने, बीमा पॉलिसी की रकम लेने, केबीसी में लॉटरी जीतने, बेहद कम कीमत पर सामान देने जैसे बहानों से लगातार लोगों को चूना लगा रहे हैं और रोजाना सैकड़ों लोग इस तरह से ठगी का शिकार हो रहे हैं।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

मरीन ड्राइव की इमारतों में हो रहा है कंपन

रहीवासियो ने मनपा आयुक्त को लिखा पत्र

मुंबई। कोस्टल रोड़ प्रोजेक्ट का काम तेजी से पूरा हो रहा है। मनपा की सत्ताधारी रही शिवसेना इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। अब कोस्टल रोड़ से लोगो को परेशानी होने लगी है। मनपा प्रशासन ने मरीन ड्राइव पर कोस्टल रोड़ बनाने के लिए समुद्र की ऊंची लहरों के झटके को रोकने के लिए त्रिकोणीय बोल्डर डाला था। कोस्टल रोड़ प्रोजेक्ट के लिए बोल्डर हटा दिए गए है जिससे समुद्र की लहरे सीधे दीवार को टकरा रही है जिससे पास की इमारतों में भूकंप आने जैसा कंपन हो रही है। स्थानीय रहीवासियो ने मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल को पत्र लिखकर शिकायत की है ।

बता दे कि मरीन ड्राइव से वर्ली बांद्रा सिलिंक तक कोस्टल रोड़ का निर्माण किया जा रहा है। वर्ली कोलीवाड़ा के मछुआरे पहले ही खंभों के बीच की दूरी को लेकर आंदोलन कर रहे है ।अब मरीन ड्राइव के राहिवासियो ने भी कोस्टल रोड से होने वाली परेशानी को लेकर मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल के पास शिकायत की है । मरीन ड्राइव के पास बनी इमारतों के रहवासियों का आरोप है की समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरों के झटको को रोकने के लिए समुद्र के किनारों पर सीमेंट से बने त्रिकोणीय बिल्डर समुद्र के किनारों पर डाले गए थे। जिससे समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरों के झटको का प्रभाव इमारतों को नही पड़ता था। इमारतों पर पड़ने वालो झटको से इमारतों की नीव हिलने का आरोप स्थानीय लोगो ने लगाया है । स्थानीय लोगो ने मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल को पत्र लिखकर उनके जान माल का नुकसान होने की गुहार लगाई है ।रहीवासियो का कहना है कि इस परिसर में 1950 के पहले की इमारत है ।मरीन ड्राइव पर 1920 में भराव किया गया जिसके बाद 1940 में मरीन ड्राइव में इमारतें खड़ी हुई। इमारतों की उम्र 70 साल बीत गया है। मनपा अधिकारियों ने लोगो की शिकायत पर उसकी पूरी जांच कर इस पूरी समस्या का निराकरण कीए जाने की जानकारी दी। समुद्र में उठने वाली ऊंची लहरों से इमारतों को लगने वाले झटके इमारतों को नुकसान होने की शिकायत स्थानीय लोगो ने दी।

बागीयों को कार्यकारी समिति की घोषणा करने का

अधिकार नहीं : संजय राउत

मुंबई। एकनाथ शिंदे ने जहां शिवसेना की नई कार्यकारिणी का ऐलान किया है, वहीं संजय राउत ने इस कार्यकारिणी पर आपत्ति जताई है. संजय

राउत ने कहा कि जो लोग शिवसेना से अलग होकर अपना खुद का समूह बनाते हैं, उन्हें कार्यकारी समिति की घोषणा करने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने आज दिल्ली से संवाददाता सम्मेलन में नियुक्ति की आलोचना की। संजय राउत ने पूछा कि एक अलग समूह पार्टी कार्यकारिणी को कैसे भंग कर सकता है और अपनी कार्यकारिणी की घोषणा कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि इस डर से कि विधायक फिर से टूट जाएंगे, शिंदे समूह ने जल्दबाजी में इस कार्यकारिणी की घोषणा की है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि कोई समूह पार्टी से किसी कार्यकारिणी की घोषणा कैसे कर सकता है। राज्य में इस समय कॉमेडी एक्सप्रेस 2 कार्यक्रम चल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने गुवाहाटी में पहला कार्यक्रम देखा, अब पार्ट टू आ गया है. इसलिए अपनी त्वचा को बचाने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। हालांकि, शिवसेना उन लोगों के बिना मजबूत खड़ी है, जिन्होंने शिवसेना छोड़ दी है। शिवसेना का गठन बालासाहेब ठाकरे और कार्यकारिणी ने किया था। शिवसेना एक पंजीकृत राष्ट्रीय पार्टी है। शिवसेना कोई समूह नहीं है। कुछ विधायकों ने भले ही अलग होकर गुट बना लिया हो, लेकिन उन्हें शिवसेना की कार्यकारिणी की घोषणा करने का कोई अधिकार नहीं है। शिंदे समूह विधायकों को संभालने के लिए संघर्ष कर रहा है। संजय राउत ने साफ तौर पर कहा कि शिवसेना असली पार्टी है, इसलिए दूसरों का कोई अधिकार नहीं है. उन्होंने आगे कहा कि जैसे-जैसे लोग नौकरी बदलते हैं, मालिक बदलते हैं, ये लोग मालिक बदलते हैं। हम अभी भी नरम हो रहे हैं। कानूनी लड़ाई में हमारा समय खत्म हो रहा है। लेकिन उद्धव ठाकरे अब राज्य का दौरा करने वाले हैं. संजय राउत ने यह भी कहा कि इस दौरे के बाद जो तूफान उठेगा उसकी कोई आलोचना नहीं करेगा.

इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांसद अरविंद सावंत मौजूद थे. उन्होंने शिंदे समूह की कार्यकारिणी की आलोचना की। जब लोग दो-तिहाई के साथ जाते हैं, तो उन्हें किसी पार्टी में शामिल होना पड़ता है। वे बाहर चले जाते हैं, लेकिन समूह द्वारा मान्यता प्राप्त नहीं होते हैं। उनका किसी पार्टी में विलय नहीं हुआ है।

मनपा थिएटर, पेट्रोल पंप और पार्किंग के पास बनाएगी

इलेक्ट्रिक चार्जिंग सेंटर

मुंबईः प्रदूषण की समस्या से छुटकारा के लिए मनपा ने इलेक्ट्रिक वाहन पॉलिसी नाई है। जिसे लागू करने के लिए बीएमसी थिएटर, पेट्रोल पंप और पार्किंग सेंटर के आसपास इलेक्ट्रिक चार्जिंग सेंटर बनाएगी। मनपा के एक अधिकारी ने बताया कि इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मुंबईकरों का समर्थन मिल रहा है। अब तक 9590 इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण आरटीओ में हुआ है। यह जानकारी पर्यावरण उपायुक्त अतुल राव ने दी। उन्होंने कहा कि मुंबई को स्वच्छ, सुंदर और प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए मनपा कई योजना लागू कर रही है। इसमें इलेक्ट्रिक बस, इलेक्ट्रिक वाहन को प्रमुखता दी जा रही है। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग की जितनी अच्छी सुविधा होगी उतने ज्यादा लोग ऐसे वाहन खरीदेंगे। इससे कार्बन उत्सर्जन में अपने आप कमी आएगी। इसलिए मनपा ने मुंबई में थिएटर, मॉल और पार्किल सेंटर के पास ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक चार्जिंग सेंटर बनाने का फैसला किया है। इसके लिए जल्द ही टेंडर जारी करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

- इलेक्ट्रिक पॉलिसी के तहत इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए लोगों में जागरूकता फैलाई जाएगी। साथ ही इसके लिए प्रोत्साहन योजना शुरू की जाएगी।

- मुंबई में भविष्य में बननेवाली इमारतों में चार्जिंग स्टेशन और वाहनों के लिए 20 प्रतिशत पार्किंग आरक्षित करना अनिवार्य किया गया है।

- भविष्य में मनपा वार्ड ऑफिस, अस्पताल और मनपा की प्रॉपर्टी वाले स्थानों पर इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन बनाया जाएगा। प्रत्येक स्थान पर एक समय में चार से पांच वाहनों के एक साथ चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध होगी।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 20 जुलाई 2022

विकास कार्यों को मत रोकिए

अजित पवार की मुख्यमंत्री से मांग

मुंबई। विधानसभा में विपक्ष के नेता अजीत पवार के नेतृत्व में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्होंने मांग की कि तत्कालीन महाविकास आघाड़ी सरकार के समय शुरू किए गए विकास कार्यों को स्थगित नहीं किया जाए। इस दौरान राज्य के कई जिलों में भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को नुकसान के मुआवजे और तत्काल सहायता वितरण की मांग की गई।

राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद आई एकनाथ शिंदे सरकार ने आघाड़ी सरकार के कई फैसलों को स्थगित करने की शुरूआत की है। खुद अजित पवार के विधानसभा क्षेत्र बरामती के विकास कार्यों को स्थगित किया गया है। इसी पृष्ठभूमि में राकांपा नेताओं ने शिंदे और फडणवीस से मुलाकात की और उन्हें अपनी मांग का ज्ञापन सौंपा।

कांग्रेस का संगठन मजबूती पर जोर

राज्य में लागू होंगे 100 दिन के कार्यक्रम

भारत तोड़ों का जवाब देंगे भारत जोड़ों से: पटोले

मुंबई। महाविकास आघाड़ी सरकार के सत्ता से जाने के बाद कांग्रेस ने अपने संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। उदयपुर में हुए कांग्रेस के मंथन शिविर की तर्ज पर प्रदेश कांग्रेस का शिर्डी में नवसंकल्प शिविर के घोषणपत्र को राज्यभर में लागू किया जाएगा, इसके लिए 100 दिवसीय एक्शन कार्यक्रम चलाया जाएगा।

इस फैसले की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि पार्टी भारत तोडो का जवाब भारत जोड़ों अभियान के माध्यम से देगी। उदयपुर के मंथन शिविर की तर्ज पर शिर्डी में आयोजित नवसंकल्प शिविर में छह विषयों के लिए छह समूह बनाए गए थे। इन छह समूहों ने चर्चा कर अपनी रिपोर्ट पेश की। इसके अनुसार शिर्डी घोषणापत्र और एक्शन कार्यक्रम तैयार किया गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बढ़ती महंगाई, अर्थव्यवस्था, अग्निपथ, राजमार्ग, आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने के फैसले के खिलाफ कांग्रेस आवाज उठाएगी। राज्य भर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 9 से 15 अगस्त तक जिलों में पदयात्रा निकालकर जन जागरूकता पैदा की जा जाएगी। साथ ही 2 अक्टूबर से भारत जोड़ो का आयोजन किया जाएगा। पटोले ने कहा कि केंद्र सरकार की नाकामी से भी जनता को अवगत कराया जाएगा, जबकि कांग्रेस के विचार को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जाएगा। कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता बाला साहेब थोरात ने कहा कि शिर्डी कार्यशाला में राज्य भर से 300 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दो दिवसीय मंथन सत्र में कांग्रेस के लिए एक दिशा दर्शक कार्यक्रम बनाया गया। थोरात ने कहा कि हम इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन के लिए कड़ा रुख अपनाएंगे और लोगों के हित के लिए इन सभी मुद्दों को आगे बढ़ाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने कहा कि राज्य में समान विचारधारा वाले दलों के साथ गठबंधन करना है या नहीं, यह तय करने के लिए जिला स्तर पर एक समीक्षा समिति का गठन किया जाएगा। इस समिति के निर्णय पर विचार करते हुए राज्य स्तर पर गठबंधन का फैसला लिया जाएगा।

कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात कर भारी वर्षा से प्रभावित लोगों को मदद पहुंचाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल ने भारी वर्षा की वजह से मारे गए लोगों के परिजनों को 10 लाख और प्रभावित किसानों को प्रति हेक्टेयर 50 हजार रुपए की मदद देने की मांग की।

चार साल बाद चर्नी रोड गिरगांव को जोड़ने वाले ब्रिज बनाने का रास्ता साफ

5 करोड़ 57 लाख रुपए खर्च करेगी मनपा

एक साल में पूरा होगा काम

मुंबई। चर्नी रोड स्टेशन से गिरगांव साहित्य संघ तक बनाया गया ब्रिज जिसे चार साल पहले तोड़ा गया था अब यह ब्रिज बनाने का रास्ता साफ हो गया है। मनपा अब इस ब्रिज बनाने के लिए ठेकेदार नियुक्त किया है। मनपा ब्रिज बनाने के लिए 5 करोड़ 57 लाख रुपए खर्च करने का निणर्य लिया है।ब्रिज के बन जाने से गिरगांव वासियों को चक्कर लगाने से छुटकारा मिलेगा।

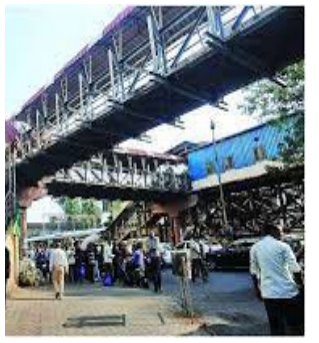

चर्नी रोड स्टेशन के पास गिरगांव जाने के लिए ब्रिज काफी उपयोगी बना हुआ था। हालांकि करीब 100 साल पुराने इस पुल को जर्जर हो जाने के बाद मनपा ने उसे ध्वस्त कर दिया था ।ब्रिज के निर्माण में चार साल ठेका देने में लग गया। जिसके चलते गिरगांव से आने-जाने के लिए लोगो को बड़ा चक्कर लगाना पड़ता था। समय भी बर्बाद हो रहा था। साथ ही दुर्घटना की भी आशंका बनी रहती थी। स्थानीय रहवासी और यात्री इस पुल के निर्माण की मांग कर रहे थे। चार साल बीत जाने के बबाद मनपा अब निविदा प्रक्रिया की और ठेकेदार की नियुक्ति की है।

...इसलिए लिया गया था ब्रिज को तोड़ने का फैंसला

- 3 जुलाई, 2018 को अंधेरी में गोखले पुल के गिरने के बाद और 14 मार्च, 2019 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस पर के पास ह्यहिमालयह्व पुल गिरने से लोगो की गई जान के बाद मनपा ने जर्जर ब्रिज को तोड़ने का निणर्य लिया और उसी में यह ब्रिज तोड़ दिया गया था।

- मनपा ने मुंबई के सभी पुलों का संरचनात्मक ऑडिट किया है और जहां आवश्यक हो उनकी मरम्मत की और कुछ पुलों को ध्वस्त कर दिया गया था। नागरिकों की मांग के अनुसार नए ब्रिज बनाए जा रहे हैं.

समुद्र ने दिया 'रिटर्न गिफ्ट'!

फेंका हुआ कचरा वापस लौटाया

मुंबई : पिछले कुछ दिनों से मुंबई महानगर क्षेत्र में भारी बारिश हुई है। मुंबईकरों को तेज हवाओं के साथ बारिश के मौसम का लुत्फ मिला है। लेकिन इस भारी बारिश के दौरान मुंबईकरों को समुद्र से उनके सामान का ह्यरिटर्न गिफ्टह्व भी मिला है। मुंबई के समुद्र तटों पर कई टन प्लास्टिक कचरा बहकर वापस आया है और किनारों पर जमा हुआ है। इससे जुड़ा एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है। हालांकि मनपा और कुछ निजी संस्थाएं मिलकर इसकी सफाई में लग गई हैं और जल्द ही इसे साफ कर दिया जाएगा।

बता दें कि देश में १ जुलाई से ह्यसिंगल यूज प्लास्टिकह्व पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। महाराष्ट्र में भी इस नियम का पालन करते हुए मुंबई में सख्ती से सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसके बावजूद बड़े पैमाने पर लोग प्लास्टिक का उपयोग कर रहे हैं और कुछ लोग तो समुद्र तट पर जाकर कोल्ड ड्रिंक्स की बोतलों सहित

पानी की बोतलें, थैलियां, प्लास्टिक के ग्लास आदि कचरा समुद्र में फेंक देते हैं। बाद में जब समुद्र उफान पर होता है तब यही सामान मुंबईकरों को लौटा देता है। इससे जुड़ा एक वीडियो पिछले दो दिनों से खूब वायरल हो रहा है। जिस पर वरिष्ठ समाज सेवी रामाकांत गुप्ता ने कहा कि यह उन लोगों के लिए जवाब है, जो कहते हैं कि अगर मैं समुद्र में बैग भी फेंक दूं तो कुछ भी गलत नहीं होगा। माहिम बीच का यह वीडियो देखकर सबकी आंखें खुल जानी चाहिए। लोगों को अपनी आदतें बदलनी चाहिए और सरकार द्वारा लागू प्लास्टिक प्रतिबंध कानून का पालन करना चाहिए। लेकिन आज भी कई लोग वर्तमान स्थिति को समझ नहीं रहे और प्लास्टिक का व्यापक रूप से उपयोग कर पर्यावरण को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग पर रोक के बावजूद हो रहे प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग का यह परिणाम है। इससे जलाशयों और जमीन का पर्यावरण प्रदूषित हो रहा है।

भाड़े पर ली गई बसों की समस्या को नहीं हल कर पा रही बेस्ट

दो दिनों से फिर कर्मचारी कर रहे हड़ताल

मुंबई. अप्रैल महीने से वेतन नहीं दिए जाने के कारण बेस्ट के भाड़े पर ली गई बसों के ड्राइवर एक बार फिर हड़ताल पर चले गए हैं. ड्राइव्हरो के हड़ताल पर जाने से यात्रियों का बुरा हल हो रहा है। भाड़े पर ली गई बसों के कर्मचारियों द्वारा हर दो तीन महीने में हड़ताल पर चले जा रहे है जिससे से मुंबईकर परेशान हो चुके हैं लेकिन बेस्ट प्रशासन हाथ पर हाथ धरे बैठा हुआ है. रविवार को वडाला डिपो की मातेश्वरी ग्रुप के ड्राइवर हड़ताल पर चले गए थे. जबकि सोमवार को एमपी ग्रुप के ड्राइवर भी हड़ताल पर जाने से बेस्ट यात्रियों का बुरा हाल हो गया है.

एमपी ग्रुप ड्राइवरों ने बताया कि बस ड्राइवरों का अप्रैल महीने का वेतन बकाया है. कुछ ड्राइवरों को आधा वेतन मिला है. एक वर्ष से भविष्य निर्वाह निधि का पैसा भी जमा नहीं किया गया है. बस चालकों का आरोप है कि उन्हें वेतन की स्लिप भी नहीं दी जा रही है. इस वर्ष तीसरी बार है जब ठेके पर बस चलाने वाले ड्राइवर वेतन के लिए हड़ताल पर गए हैं. हर दूसरे तीसरे महीने होने वाली हड़ताल का बेस्ट प्रशासन स्थाई समाधान निकालने में विफल रहा है. बसों को ठेके पर देकर बेस्ट को ठेकेदारों के हवाले कर दिया गया. लेकिन इसका खामियाजा लाखों बेस्ट यात्रियों को झेलना पड़ रहा है. प्वाइंट टू प्वाइंट चलने वाली बसों के चक्का जाम होने से यात्री परेशान हो चुके हैं। ड्राइवरों ने कहा कि वडाला, कुलाबा, बांद्रा, कुर्ला और मुलुंड डेपो प्रत्येक में 200 से अधिक मिडी,मिनी बसें चलाई जाती हैं. दोनों पालियों को मिला कर लगभग 300 ड्राइवर आंदोलन में शामिल हो गए हैं. कंपनी की तरफ से ड्राइवरों का शोषण किया जा रहा है. पुरानी कंपनी ने पांच महीने का पीएफ नहीं जमा किया. एम पी ने भी चार महीने का पीएफ रोक रखा है. ड्राइवर अपनी घरेलू समस्याओं को दरकिनार कर बसों को निकालते हैं. हमें 18000 वेतन दिया जाता है. एक दिन काम से छुट्टी लेने पर 1650 रुपए काट लिए जाते हैं. वेतन मिलने पर बसों को तुरंत चलाया जाएगा.

मालवणी बना मर्डर हब!

तीन दिनों में तीन हत्याएं...क्षेत्र में दहशत का माहौल

मुंबई : मुंबई उपनगर का मालवणी क्षेत्र मर्डर का हब बनता जा रहा है। इलाके में पिछले तीन दिनों में हत्या की तीन वारदातें सामने आई हैं। हालांकि पिछले १५ दिनों में हुई चार हत्याओं से मालवणी में दहशत का माहौल है। पुलिस के मुताबिक हत्या की वारदात में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पहली घटना १४ जुलाई को तब सामने आई, जब मड आइलैंड के एक लॉज में प्रेमिका की उसके प्रेमी ने हत्या कर दी थी। मालवणी पुलिस ने आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है और फिलहाल मामले में आगे की जांच कर रही है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 20 जुलाई 2022

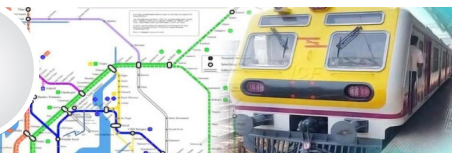

शरद पवार ने शिवसेना को पहुंचाया नुकसान

NCP ने सरकार से पूरा फंड वसूला - रामदास कदम

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री रामदास कदम ने मंगलवार को एनसीपी चीफ शरद पवार के ऊपर सनसनीखेज आरोप लगाए। अपने आरोपों में उन्होंने कहा कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार शिवसेना को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इस संबंध में सबूत शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे को सौंपे थे। कदम ने एक टीवी चैनल से बात करते हुए दावा किया कि पवार द्वारा शिवसेना को व्यवस्थित रूप से कमजोर किया गया।

उन्होंने दावा किया कि कुछ विधायकों ने इस पर चिंता व्यक्त की थी, लेकिन ठाकरे पवार से अलग होने को तैयार नहीं थे। हालांकि एनसीपी के मुख्य प्रवक्ता महेश तापसे ने कदम की टिप्पणी को खारिज किया है। साथ ही दावा किया है कि शिवसेना में विभाजन के पीछे भाजपा का हाथ है। उन्होंने यह भी कहा कि बागी नेता पवार को निशाना बनाकर इससे ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं।

पूर्व मंत्री कदम ने सोमवार को ठाकरे को लिखे एक पत्र में शिवसेना नेता के रूप में अपना इस्तीफा दे दिया। शिवसेना अध्यक्ष और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सोमवार शाम को घोषणा की कि कदम को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण बर्खास्त कर दिया गया है। बाद में, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के बागी

खेमे ने कदम को नेता के रूप में बहाल किया। ठाकरे के नेतृत्व वाले महा विकास आघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस शामिल हैं। शिंदे और शिवसेना के 39 अन्य विधायकों द्वारा पार्टी के खिलाफ बगावत करने के बाद पिछले महीने एमवीए सरकार गिर गई।

कदम ने मंगलवार को कहा कि मैंने उद्धव ठाकरे को पर्याप्त सबूत दिए कि कैसे राकांपा प्रमुख शरद पवार शिवसेना को कमजोर कर रहे थे। कदम ने दावा किया कि पवार ने कुनाबी समुदाय (कोंकण में) के सदस्यों को अच्छे पद दिए और उन्हें आर्थिक रूप से भी मजबूत किया। उन्होंने आगे दावा किया कि मुख्यमंत्री हमारे थे, धन सरकारी खजाने से आया, लेकिन पार्टी (शिवसेना) को पवार ने चरणबद्ध तरीके से कमजोर कर दिया। कई विधायकों ने उद्धव ठाकरे के सामने ऐसी ही चिंता व्यक्त की, लेकिन वह पवार को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थे। कदम ने कहा कि अगर शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे आज जीवित होते, तो क्या उन्होंने उद्धव ठाकरे को एनसीपी और कांग्रेस के समर्थन से मुख्यमंत्री बनने दिया होता? पूर्व मंत्री ने आगे कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र में (2019 में) सरकार बनाने के लिए एनसीपी और कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने के उद्धव ठाकरे के कदम का विरोध किया था। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे (उद्धव से) कहा कि यह पाप करने जैसा है। बालासाहेब ठाकरे की आत्मा को इस तालमेल से शांति नहीं मिलेगी। गौरतलब है कि पिछले महीने, जब शिंदे ने पार्टी के खिलाफ बगावत की तो रामदास कदम के बेटे और रत्नागिरी जिले के दापोली से विधायक योगेश कदम भी बागी खेमे में शामिल हो गए थे। इस बीच एनसीपी प्रवक्ता तापसे ने कहा कि पवार की पहल के कारण एमवीए का गठन किया गया। बगावत के बाद भी एनसीपी उद्धव ठाकरे और शिवसेना के उनके नेताओं के समूह का समर्थन कर रही है।

शिवसेना का कार्यालय कब्जे में लेने की शिंदे समूह की लोकसभा अध्यक्ष से मांग

मुंबई : विधानसभा के बाद शिंदे समूह में 12 सांसद शामिल हो गए हैं। इस शिंदे समूह के सांसदों ने संसद में शिवसेना का कार्यालय संभालने के लिए आंदोलन शुरू कर दिया है। उन्होंने इस संबंध में लोकसभा अध्यक्ष को एक पत्र दिया है। शिंदे समूह ने समूह नेता के पद का दावा करते हुए कहा है कि उसके पास दो-तिहाई से अधिक बहुमत है। राज्य विधानसभा में दो-तिहाई विधायकों द्वारा शिवसेना का समर्थन करने के बाद लोकसभा में भी इसी तरह के आंदोलन शुरू हो गए हैं। शिंदे समूह ने दावा किया है कि उसे दो-तिहाई सांसदों का समर्थन प्राप्त है। इसलिए शिंदे समूह ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर शिवसेना को पद संभालने को कहा है. इस बीच, प्रत्येक दल को संसद में एक कार्यालय दिया जाता है। शिवसेना को संसद में कार्यालय भी दिया गया है। शिंदे गत ने मांग की है कि इस कार्यालय को बहाल किया जाए।

...तो कार्यालय शिंदे गट में जाएगा

बहुत कुछ इस बात पर निर्भर करेगा कि लोकसभा अध्यक्ष पिछले समूह के विनायक राउत को बरकरार रखते हैं या नए समूह के नेता राहुल शेवाले को मंजूरी देते हैं। अगर शिंदे समूह के राहुल शेवाले को समूह के नेता के रूप में मंजूरी दी जाती है, तो शिवसेना का यह कार्यालय भी शिंदे समूह द्वारा लिया जाएगा।

...लेकिन याद रखना मेरे पास धनुष है

उद्धव ठाकरे ने बीजेपी पर साधा निशाना

मुंबईः शिवसेना में बंटवारा बागियों ने नहीं बल्कि बीजेपी ने किया है. शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा कि भाजपा शिवसेना को नष्ट कर रही है, जितना हो सके उतने तीर लेकर भागो, याद रखना कि मेरे पास धनुष है। ठाकरे संकट से नहीं डरते। उद्धव ठाकरे ने संकल्प व्यक्त किया कि चाहे कितने ही संकट आ जाएं, हम लड़ेंगे और नए सिरे से पार्टी का निर्माण करेंगे। मुंबई में नॉर्थ इंडियन फेडरेशन के पदाधिकारियों ने आज शिवसेना भवन जाकर उद्धव ठाकरे से मुलाकात की. इस मौके पर मौजूद पदाधिकारियों ने शिवसेना के साथ होने का अहसास जताया. शिवसेना इस समय मुश्किल दौर से गुजर रही

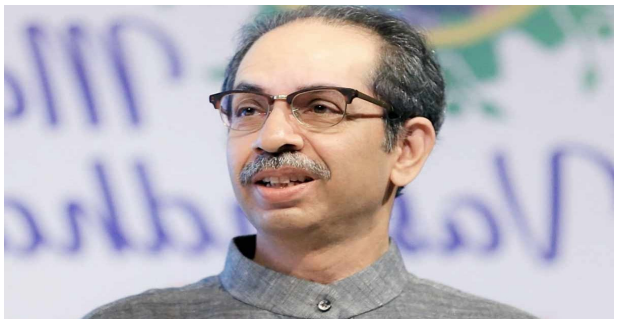

है. भगवा के वफादार अनुयायी एक के बाद एक आपका साथ छोड़ रहे हैं। लेकिन उन्होंने उद्धव ठाकरे को भरोसा दिलाया कि इस संकट की घड़ी में हम नॉर्थ इंडियन फेडरेशन के पदाधिकारी आपके साथ हैं. उद्धव ठाकरे ने उत्तर भारतीय संघ के पदाधिकारियों की एक बैठक को संबोधित करते हुए ठाकरे भाषा में भाजपा और शिंदे समूह पर तीर चलाए। उन्होंने कहा, ''जितना तीर मेरे पास है, उतना भागो, लेकिन याद रखना कि मेरे पास धनुष है। अगर विद्रोहियों ने शिवसेना को नहीं तोड़ा, तो यह भाजपा ने किया था। यह भाजपा है जो शिवसेना को समाप्त कर रही है। ''भाजपा दो मुर्गियों के बीच लड़ रही है। अगर एक मर जाता है या दूसरा जेल जाता है, तो यह भाजपा की कई दिनों की योजना है। लेकिन हम ठाकरे हैं। हमारा उद्देश्य लड़ना है चाहे कितनी भी समस्याएं हों। ठाकरे संघर्ष से डरते नहीं हैं।'' इन दिनों तक हम मैदान में रहेंगे। उद्धव ठाकरे ने फिर से पार्टी के पुनर्निर्माण, शिवसेना के पुनर्निर्माण की कसम खाई।

सुप्रीम कोर्ट ने नूपुर शर्मा को दी अंतरिम राहत; अनिवार्य कार्रवाई न करने का आदेश

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने पैगंबर मोहम्मद के खिलाफ दिए अपने बयान के मामले में नूपुर शर्मा को बड़ी राहत दी है. अदालत ने उसकी गिरफ्तारी 10 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी है। इस मामले की अगली सुनवाई भी उसी दिन तय की गई है। कोर्ट ने केंद्र और उन राज्यों को नोटिस जारी किया है जहां उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं. नोटिस में कोर्ट (सुप्रीम कोर्ट) ने राज्यों और केंद्र सरकार से पूछा है कि क्यों न नुपुर शर्मा के खिलाफ केस एक जगह ट्रांसफर किए जाएं. माना जा रहा है कि राज्यों और केंद्र के जवाब के

बाद कोर्ट केस ट्रांसफर करने का फैसला करेगी। इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम अपने पहले के आदेश में थोड़ा बदलाव करते हैं. हम नहीं चाहते कि आप हर अदालत में जाएं। नूपुर शर्मा की ओर से दायर याचिका में अलग-अलग जगहों पर 9 एफआईआर दर्ज की गई हैं, इन सभी को एक जगह ट्रांसफर किया जाए. कहा गया कि देश के अलग-अलग शहरों में नहीं जाना चाहिए। नूपुर शर्मा के वकील मनिंदर सिंह ने कहा कि नुपुर शर्मा की जान को खतरा है। उसे धमकियां मिल रही हैं। इस पर कोर्ट ने कहा, हम आपके कानूनी विकल्पों को बरकरार रखना चाहते हैं।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैजल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नंबर 3-4, अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनावाला क्रॉस रोड नंबर 12, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई - 63 से छपवाकर रूम नंबर 15 रमजान बिन 17- सी, वंजावडी, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016 से प्रकाशित किया . संपर्क कार्यालय 1 ए, ग्राउंड फ्लोर, साहिल मेन्शन, बालमिया लेन, माहिम (वेस्ट), मुंबई - 400016.
मोबाइल नंबर 9987775650 व्हाट्सएप नंबर 9987775650 ईमेल- editor@rokthoklekhaninews.com -किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र मुंबई होगा!